



NCERT Solutions for Class 12 Hindi Core A Ch04 Raghuvir Sahay

1. कविता में कुछ पंक्तियाँ कोष्ठकों में रखी गईं

हैं – आपकी समझ से इसका क्या औचित्य है?

उत्तर:- कविता में कुछ पंक्तियाँ कोष्ठकों में रखी गई हैं। ये कोष्ठक कवि के मुख्य भाव को व्यक्त करते हैं। इन में लिखी पंक्तियों के माध्यम से अलग-अलग लोगों को संबोधित किया गया है। जैसे –

कैमरा मेन के लिए –

- कैमरा दिखाओ इसे बड़ा-बड़ा
- कैमराकी किमत है।

दर्शकों के लिए –

- हम खुद इशारे से बताएँगे क्या ऐसा?
- यह प्रश्न पूछा नहीं जाएगा

अपंग व्यक्ति को –

- वह अवसर खो देंगे?
- बस थोड़ी कसर रह गई।

इस प्रकार के कोष्ठक कविता के उद्देश्य को अभिव्यक्ति प्रदान करने में सहायक होते हैं।

2. कैमरे में बंद अपाहिज करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है – विचार कीजिए।

उत्तर:- दूरदर्शन पर एक अपाहिज का साक्षात्कार, व्यावसायिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए दिखाया जाता है। दूरदर्शन पर एक अपाहिज व्यक्ति को प्रदर्शन की वस्तु मान कर उसके मन की पीड़ा को कुरेदा जाता है, साक्षात्कारकर्ता को उसके निजी सुख दुख से कुछ लेना-देना नहीं होता है। यहाँ पर कवि के कहने का तात्पर्य यह है कि दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले इस प्रकार के अधिकतर कार्यक्रम केवल संवेदनशीलता का दिखावा करते हैं।

3. हम समर्थ शक्तिवान और हम एक दुर्बल को लाएँगे पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या व्यंग्य किया है?

उत्तर:- ‘हम समर्थ शक्तिवान’ के माध्यम से कवि ने मीडियाकर्मियों पर व्यंग किया है जो स्वयं को पूर्ण मान कर, एक अपाहिज व्यक्ति को दुर्बल समझने का अहंकार पाले हुए हैं।

‘हम एक दुर्बल को लाएँगे’ के माध्यम से लाचारी का भाव प्रदर्शित होता है। साक्षात्कारकर्ता किसी भी बेबस और लाचार व्यक्ति को लाकर उससे तरह-तरह के सवाल पूछकर उसका तमाशा बना सकता है।

4. यदि शारीरिक रूप से चुनौती का सामना कर रहे व्यक्ति और दर्शक, दोनों एक साथ रोने लगेंगे, तो उससे प्रश्नकर्ता का कौन-सा उद्देश्य पूरा होगा?

उत्तर:- यदि शारीरिक रूप से चुनौती का सामना कर रहे व्यक्ति और दर्शक, दोनों एक साथ रोने लगेंगे, तो उससे प्रश्नकर्ता लोगों का ध्यान कार्यक्रम की तरफ आकर्षित कर पाएगा। उनका कार्यक्रम देखने के लिए लोग प्रेरित होंगे। प्रसारण समय में रोचक सामग्री परोस पाना ही मीडिया कर्मियों का एकमात्र उद्देश्य होता है।

5. परदे पर वक्त की कीमत है कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति अपना नज़रिया किस रूप में रखा है?

उत्तर:- प्रसारण समय में रोचक सामग्री परोस पाना ही मीडिया कर्मियों का एकमात्र उद्देश्य होता है। प्रसारण के समय में वे कार्यक्रम को अधिक से अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए सभी हथकंडे आजमा लेते हैं। उन्हें किसी की पीड़ा को कम नहीं बल्कि बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने की आदत होती है। मीडियाकर्मी को व्यावसायिक उद्देश्य पूरा करने से सरोकार रहता है। उनका सामाजिक सरोकार या पीड़ा को दिखाना मात्र एक दिखावा होता है।

***** END *****